

Lecture - 115.

नई औद्योगिक नीति (1991)

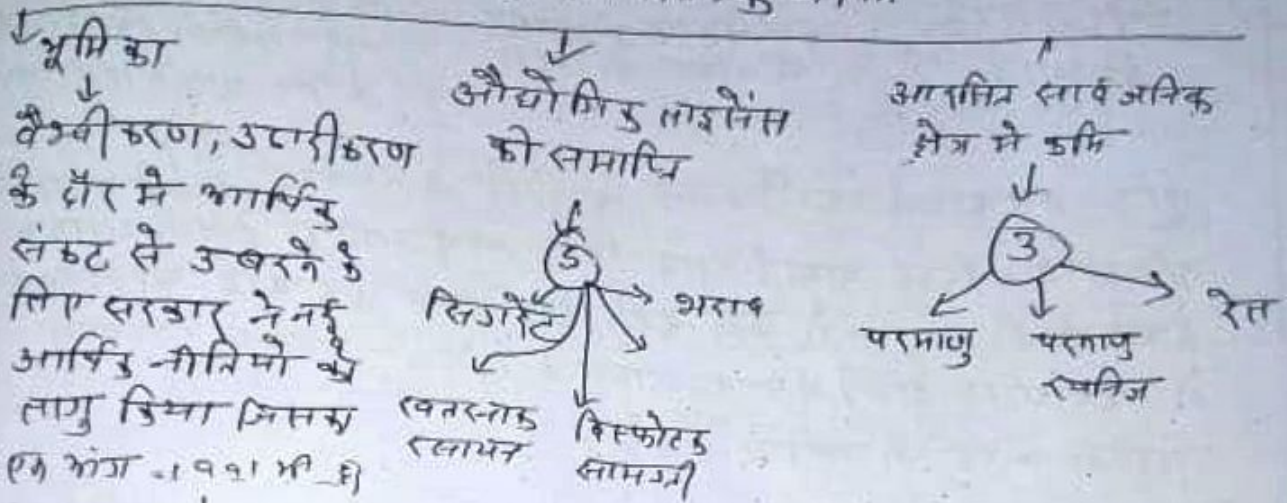
- Manita Rani
Guest Assistant
Professor.

Deptl. of History.
SNSRKS College,
Sahaspur.

BA part- IIIrd.

०. नई औद्योगिक नीति (1991) या सुल्थाकन डीजिएन
 ०. नई औद्योगिक नीति के बारे में संक्षिप्त रूप में
 ०. उन्हे रूप डीजिएन।

नई औद्योगिक नीति



भूमिका: 1991 का दौर भारत के आर्थिक

कठिनाई में आर्थिक संकट का दौर था इस संकट के निवारण के लिए सरकार ने नई नीति का पालन सरकार द्वारा किया गया अर्थिक वैश्वीकरण के परिप्रेक्ष्य में भारत की सरकार ने 1991 में उदारीकरण की नीति को अपनाया और नई आर्थिक नीति (1991) को लागू किया गया इसी नीति का एक महत्वपूर्ण पहलू नई औद्योगिक नीति 1991 है जिसका संक्षिप्त वर्णन यहाँ पर किया जा सकता है—

① इस नीति के द्वारा सरकार ने उद्योगों के विकास के लिए और विकास की गति को और तेज करने के लिए लाइसेंस की अनिवार्यता समाप्त कर दिया। अर्थात् 2012 के अनुसार वर्तमान में केवल 5 उद्योगों के लिए लाइसेंस अनिवार्य है— जेल लिंगरिट, खतरनाक, विस्फोटक, अराध आदि। इसके अतिरिक्त किसी भी उद्योग को लागू के लिए लाइसेंस की अनिवार्यता समाप्त किया गया।

विश्वविद्यालयों विद्यार्थी-व्यवस्था का उपयोज	परिसरपरि लीगा की समाधि	उद्योगों की उद्योगों की स्थापना को लक्ष्य बनाना
↓	गई उद्योगों की स्थापना, हस्तान्तरण और वित्त की प्रक्रिया को सरल बनाना	↓
निम्न क्षेत्रों में स्थापना		10 लाख से कम लागत वाले उद्योग स्थापित करने के लिए सार्वजनिक की जाय

(11) सरकार को उद्योगों के निर्माण में सहायता देनी चाहिए।
प्रोत्साहित किए जाने चाहिए और सरकारी क्षेत्र में आकांक्षित
उद्योगों की स्थापना में कठिनाई न हो सके। उद्योगों को ही पर्याप्त
में आकर्षित करने में सहायता दे। जैसे - पत्थर, पत्थर
स्थापित और मास्तीप देसके।

(12) सरकार को द्वारा नीति निर्माण को अपनाने का प्रथम उद्योग
विद्यार्थी विद्यार्थी को अपनी तरह का कार्य कराना है और विश्वविद्यालय
के माध्यम से उन उद्योगों को सहायता देनी चाहिए।
हस्तान्तरण और वित्त की प्रक्रिया को सरल बनाने में विश्वविद्यालय
में भी बहुत ही अधिक योगदान देना है।

(13) यह औद्योगिक नीति का एक एक महत्वपूर्ण एवं सार्वजनिक
प्रकार है जिससे बहुत ही उद्योगों की स्थापना या किसी उद्योग
का हस्तान्तरण और किसी उद्योग का दूसरे राज्य में विस्थापित
प्रक्रिया को सरल बनाने में सहायता देना है और सरकारी
सहायता में बहुत ही अधिक योगदान देना है।

(14) उपरोक्त तर्कों के साथ-साथ इस नीति के तहत 10 लाख
से कम लागत वाले उद्योग स्थापित करने हेतु सार्वजनिक
क्षेत्रों में स्थापित उद्योगों को सहायता देना देना है जो
उद्योगों पर 5 लाख-10 लाख की दर से कर देना है और
सोशियल आर्थिक असंतुलन को दूर करने में भी सहायक है।
वर्तमान में भी औद्योगिक नीति 1991 के अन्तर्गत